

---

Venkatesha Pratahsmarana Shlokatrayam

वेङ्कटेश प्रातःस्मरणं श्लोकत्रयम्

Document Information

---

Text title : veNkaTeshA prAtaHsmaraNaM shlokatrayam

File name : venkaTeshashlokatrayam.itx

Category : vishhnu, venkateshwara, stotra, vishnu, suprabhAta

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com

Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com

Source : Venkatesha Kavyakalapa

Latest update : April 4, 2015

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose. Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

September 11, 2019

*sanskritdocuments.org*

---

वेङ्कटेश प्रातःस्मरणं श्लोकत्रयम्

---



प्रातः स्मरामि रमया सह वेङ्कटेशं  
मन्दस्मितं मुखसरोरुहकान्तिरम्यम् ।  
माणिक्यकान्तिविलसन्मकुटोर्ध्वपुण्ड्रं  
पद्माक्षलक्ष्यमणिकुण्डलमण्डिताङ्गम् ॥ १ ॥

प्रातर्भजामि कररम्यसुशङ्खचक्रं  
भक्ताभयप्रदकटिस्थलदत्तपाणिम् ।  
श्रीवत्सकौस्तुभलसन्मणिभूषणोद्यत्  
पीताम्बरं मदनकोटिसुमोहनाङ्गम् ॥ २ ॥


प्रातर्नमामि परमाद्य पदारविन्दं  
आनन्दसान्द्रनिलयं मणिनूपुराढ्यम् ।  
एतत्समस्तजगतामिति दर्शयन्तं  
वैकुण्ठमत्र भजतां करपल्लवेन ॥ ३ ॥


श्लोकत्रयस्य पठनं दिनपूर्वकाले  
दुस्स्वप्नदुःशकुनदुर्भयपापशान्त्यै ।  
नित्यं करोति मतिमान्परमात्मरूपं  
श्रीवेङ्कटेशनिलयं व्रजति स्म योऽसौ ॥  
श्रीः घनगुरवे नमः ।

॥ इति वेङ्कटेश प्रातःस्मरणं श्लोकत्रयम् ॥

From a telugu book veNkaTeshakAvyakalApa  
Encoded and proofread by Malleswara Rao Yellapragada  
malleswararaoy at yahoo.com

---

——  
*Venkatesha Pratahsmarana Shlokatrayam*  
pdf was typeset on September 11, 2019

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

